TDC Even Semester Exam., 2019

HINDI

(Pass)

(2nd Semester)

Course No. : HINP–201

(Adikaleen evam Nirgun Bhakti Kavya)

Full Marks : 50
Pass Marks : 17

Time : 2 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) जहि मणपवण ण संचरइ, रवि-ससि णाहिं पवेस।
ताहि बढ़ चित्त विसाम करु, सरहें कहिअ उएस॥
गुरु-वूअण-अमिय-रस, धवहिं ण पिविअउ जेहिं।
बहु सत्यात्य-मरुत्यलिहिं, तिसिअ मरिब्बो तेहिं॥

(ख) नन्दक नन्दन कदम्बतरु-तर, धिरे-धिरे मुरली बजाव।
समय संकेत-निकेतनबइसल, बेरी-बेरि बोलि पठाव॥
सामरि, तोरा लागि, अनुखन विकल मुरारि।
जमुनाक तिर उपवन उदवेगल, फिर-फिर ततह निहारि॥

(ग) यह तन जारौं मसि करौं, ज्यूं धूवाँ जाइ सरग्गि।
मति वै राम दया करें, बरसि बुझावै अग्गि॥
बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागे कोई।
राम वियोगी ना जिऐ, जिऐ त बौरा होइ॥

2. सिद्ध कवि के रूप में सरहपा का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

'कयमास वध' की समीक्षा कीजिए।

3. 'बनिजारा खण्ड' की कथावस्तु को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

''विद्यापति प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. कबीर की भक्ति-पद्धति की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

सामाजिक शोषण, अनाचार और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष में कबीर के काव्य की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2=10

(क) सरहपा की काव्य-भाषा

(ख) 'बनिजारा खण्ड' और हीरामन

(ग) कबीर का उपदेशक रूप

(घ) विद्यापति की 'पदावली'

★ ★ ★